The Speaker made an observation regarding enquiry into the incident related to security in the Parliament that occurred on 13.12.2023

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, लोक सभा में 13 दिसम्बर, 2023 को जो दुर्भाग्यपूर्ण और हम सबके लिए चिंताजनक घटना घटी, निश्चित रूप से पूरे सदन ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की थी । इस घटना पर सामूहिक रूप से भी हमने चिंता व्यक्त की थी और भविष्य में घटना न घटे, इसके लिए भी कार्य योजना बनाने की योजना बनाई थी । उसी दिन मैंने इस विषय पर सभी नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया था और कैसे हम संसद की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं, उसके लिए हमारे सभी दलों के नेताओं ने बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे । उन सुझावों में से कुछ पर अमल हुआ है, कुछ में आपके साथ हम और अमल करेंगे ।

इस घटना की एक उच्चस्तरीय जांच हो, इसकी भी हमने योजना बनाई, उसकी जांच कमेटी बनाई और उसकी जांच शुरू हो गई है । पार्लियामेंट स्तर पर भी इसके लिए एक हाई पॉवर कमेटी बनाई है, जो संसद परिसर में सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करेगी और किस तरीके से हम संसद की सुरक्षा को बेहतर कर सकते हैं, इसके लिए आप सबके सुझावों पर एक ठोस कार्य योजना भी बनायेंगे ।

ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना न घटे, इसके लिए हमारी सुरक्षा व्यवस्था व्यापक हो और यह सभी के सहयोग से हो । आप सभी भलीभांति अवगत हैं कि हमारे सदन में पूर्व में भी ऐसी घटनाएं कई बार हो चुकी हैं । सदन के अंदर आगंतुक और पिस्टल लाने, नारेबाजी करने, दर्शकदीर्घा से कूदन तथा पर्चे फेंकने वाली घटनाएं पूर्व में भी हुई थीं लेकिन उन सब घटनाओं पर भी माननीय सदस्यों ने विशेष रूप से, सामूहिकता से काम किया था ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** इस सदन में स्प्रे फेंकने जैसी घटना भी हुई, लेकिन हम सभी ने ऐसी घटनाओं के विरोध में एक स्वर में एक साथ मिलकर दृढ़संकल्प लिया था । आप सभी भलीभांति परिचित हैं कि संसद की सुरक्षा का क्षेत्राधिकार संसद सचिवालय के अंतर्गत आता है, इसलिए सुरक्षा के विषय में जो भी कार्य योजना बनेगी, वह संसद बनाएगी । हम आपसे विचार-विमर्श करके बनाएंगे और ठोस कार्य योजना बनाएंगे । पूर्व में भी जब ऐसी घटना घटी थी, तब तत्कालीन अध्यक्षों ने ही इसका संज्ञान लिया था और उस घटना पर कार्रवाई की थी ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इस घटना को लेकर कुछ राजनीति कर रहे हैं, यह किसी भी तरह की राजनीति करने वाली घटना नहीं है । इस घटना से कभी भी जिन माननीय सदस्यों का निलंबन हुआ है, वह उस घटना से संबंधित नहीं हैं । यह घटना अलग है । निलंबन का संबंध केवल संसद की गरिमा बनी रहे, उसकी प्रतिष्ठा बनी रहे, यह हम सब की जिम्मेदारी है ।

11.08 hrs

At this stage, Shri A. Raja, Shri Kodikunnil Suresh, Shri Kalyan Banerjee and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मुझे दुख है, मैं कभी किसी माननीय सदस्य का निलंबन नहीं करना चाहता हूं । मुझे व्यक्तिगत पीड़ा भी होती है कि जो माननीय सदस्य हैं कि उनका निलंबन करूं । लेकिन संसद की मर्यादा बनाए रखना, संसद की गरिमा बनाए रखना, हम सबकी जिम्मेदारी है । विशेष रूप से आपकी भी उतनी ही जिम्मेदारी है, इसलिए संसद की परंपराओं और परिपाटियों का श्रेष्ठ पालन हो । जब नई संसद बनी थी तो हमने सभी दलों के नेताओं से चर्चा भी की थी कि हम तख्ती लेकर नहीं आएंगे, सदन में उच्च कोटि की गरिमा और मर्यादा को बनाए रखेंगे और किसी तरीके से हंगामा नहीं करेंगे । देश की जनता भी ऐसे आचरण को कतई पसंद नहीं करती है । मेरा आपसे आग्रह है कि हम सब इस अपेक्षा के साथ कि ऐसी घटना न घटे और सदन के अंदर भी गरिमा बनी रहे, मर्यादा बनी रहे, यह हम सबकी जिम्मेदारी है । इसीलिए भविष्य में सदन की गरिमा सर्वोपरि है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** लोक सभा अध्यक्ष के रूप में मेरा सदैव यह प्रयास रहा है कि सदन में सार्थक चर्चा हो, सकारात्मक चर्चा हो, सहमति, असहमति हमारी लोकतंत्र की विशेषता है । लेकिन असहमति सकारात्मक हो और विरोध भी हो तो हम अपने शब्दों के अंदर विचारधारा के आधार पर विरोध करें । तख्तियां, नारेबाजी करना, वेल में आकर, आसन के नजदीक आना, यह सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं है । देश की जनता भी इसको पसंद नहीं करती । इसलिए हम सब देश की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए और व्यापक चर्चा और संवाद के साथ देश की जनता का कल्याण कर सकें, अंतिम व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन ला सकें, इसके लिए मैं आपका सहयोग चाहता हूं, मैं चाहता हूं, इस सदन की जो गरिमा रही है, बड़ी-बड़ी घटनाओं पर सार्थक चर्चा हुई है, संवाद हुआ है ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि राष्ट्र हित में अपने कर्तव्य निभाने के लिए आप निश्चित रूप से मुझे सहयोग करेंगे । पूर्व में भी आपका सहयोग मिला है । आप सहयोग करेंगे, सकारात्मक चर्चा करें, वाद-विवाद करें, सदन आपका है । सदन में सब को बोलने का अधिकार है, लेकिन तख्तियां लेकर आना उचित नही है । देश की जनता भी इसको पसंद नहीं करती है । मैं आपसे अपेक्षा करता हूं कि आप सब सदन का सहयोग करेंगे, प्रश्न काल को चलने देंगे । प्रश्न काल के बाद कोई भी विषय हो तो आप मुझसे चर्चा करें । मैं आपकी समस्याओं के समाधान का रास्ता निकालूंगा ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य यह सदन आपका है । पूर्व में भी जब कभी सदन में घटनाएं घटी हैं तो यह क्षेत्राधिकार संसद सचिवालय का आता है । मैंने पूर्व में भी कहा था, अध्यक्ष होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि सदन में सभी माननीय सदस्यों की सुरक्षा बनी रहे ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** इसके लिए आप सब बैठकर ही समीक्षा करेंगे । सुरक्षा के जो व्यापक इंतजाम हैं, लेकिन हम और व्यापक इंतजाम करेंगे । जहां सरकार का सहयोग लेना है, वहां सरकार का सहयोग भी लेंगे, लेकिन क्षेत्राधिकार हमेशा संसद का रहना चाहिए, आप भी इस मत के होंगे ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** इसलिए जो कुछ भी जिम्मेदारी है, वह मेरी है, संसद सचिवालय की है । आपकी हर चिंता का हम समाधान निकालेंगे ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** माननीय सदस्यगण, प्लीज़, अपने आसन पर विराजें ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** मैं आपकी चिंताओं को समझता हूं, लेकिन यह चिंता सबकी है ।

? (व्यवधान)

_____

11.12 hrs